फुग्गा

कहानीः डाईट अंबिकापुर द्वारा निर्मित
चित्रांकनः पूजा शाक्य

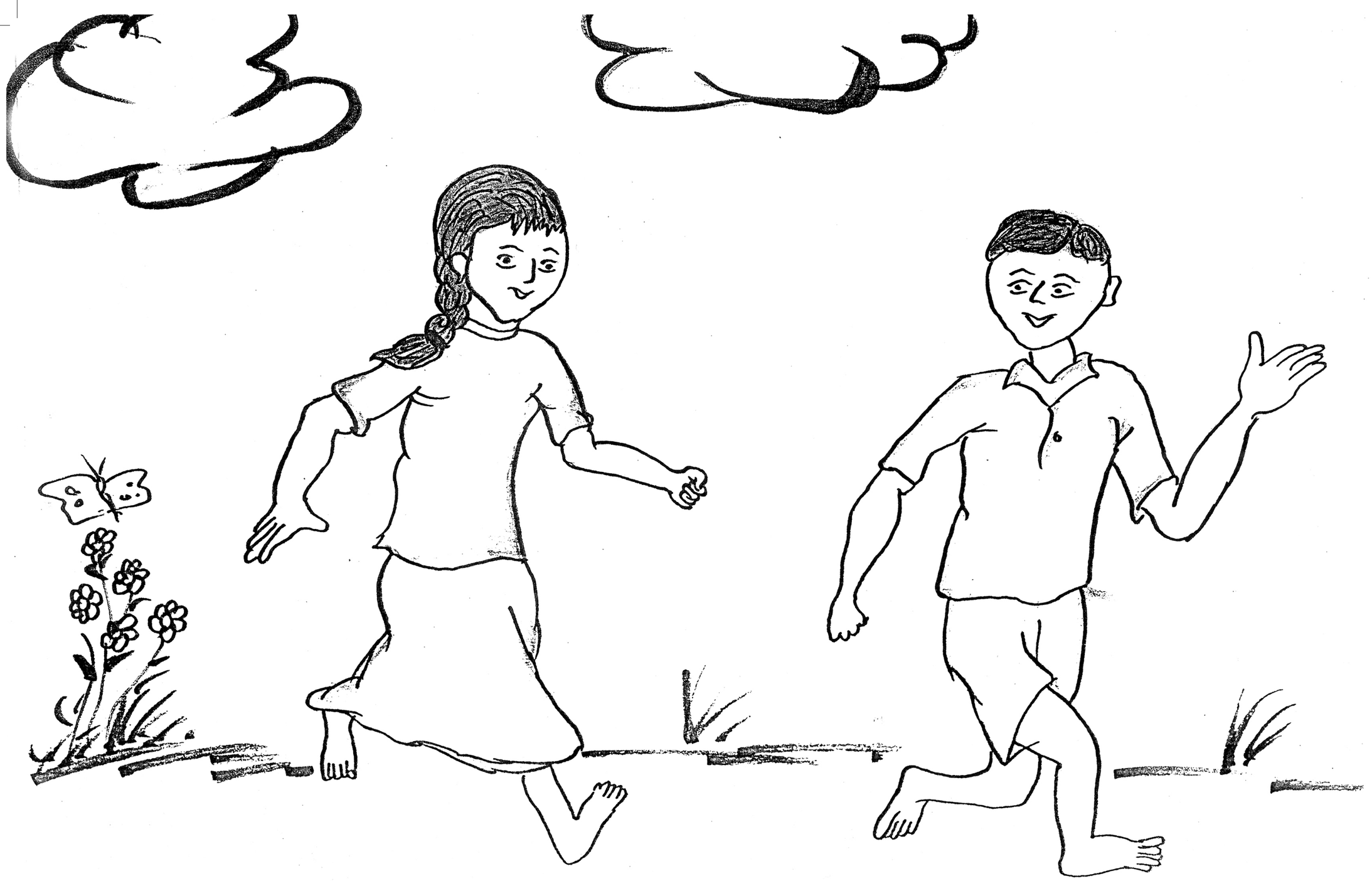

चीकू अउ पिंकी दूनों भाई बहिनी रिहिन।

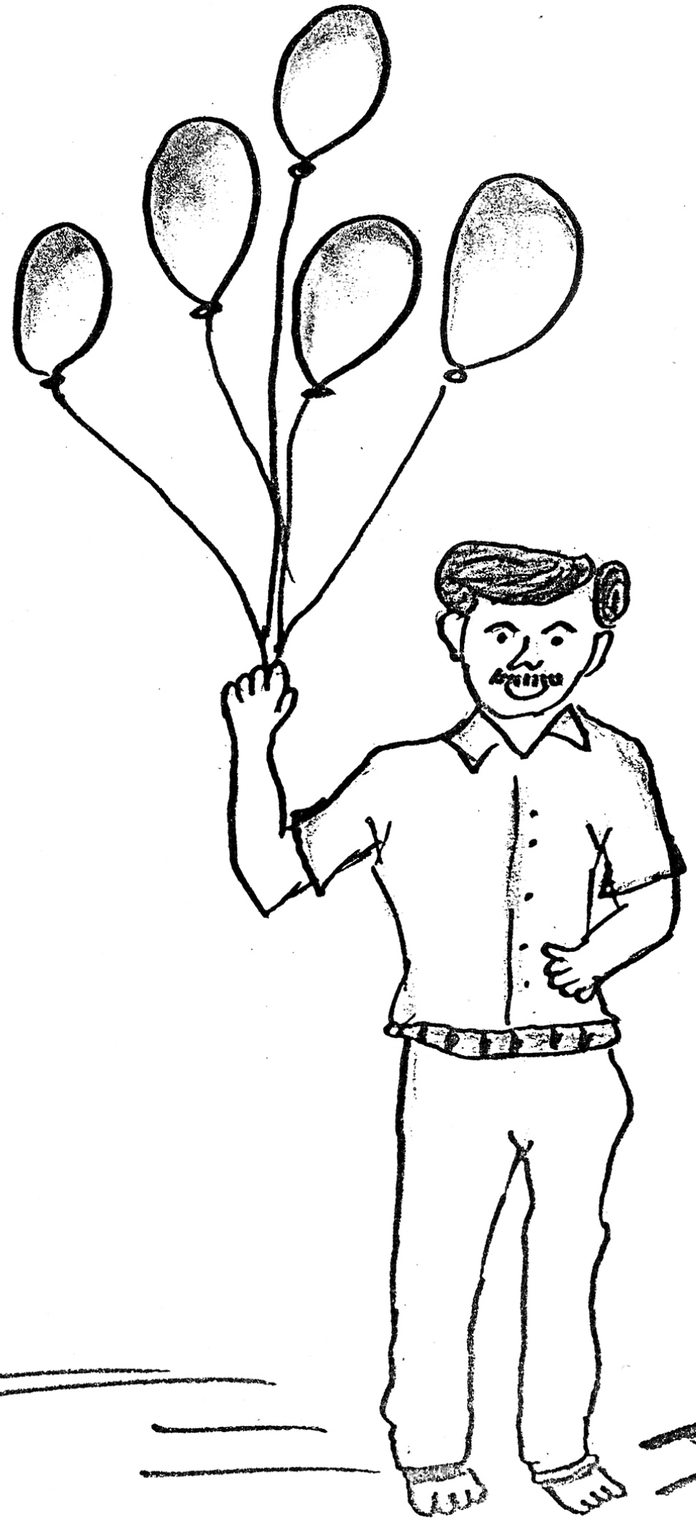

ओकर ददा हा मेला ले
पांच ठन फुग्गा बिसा के
लानिस।

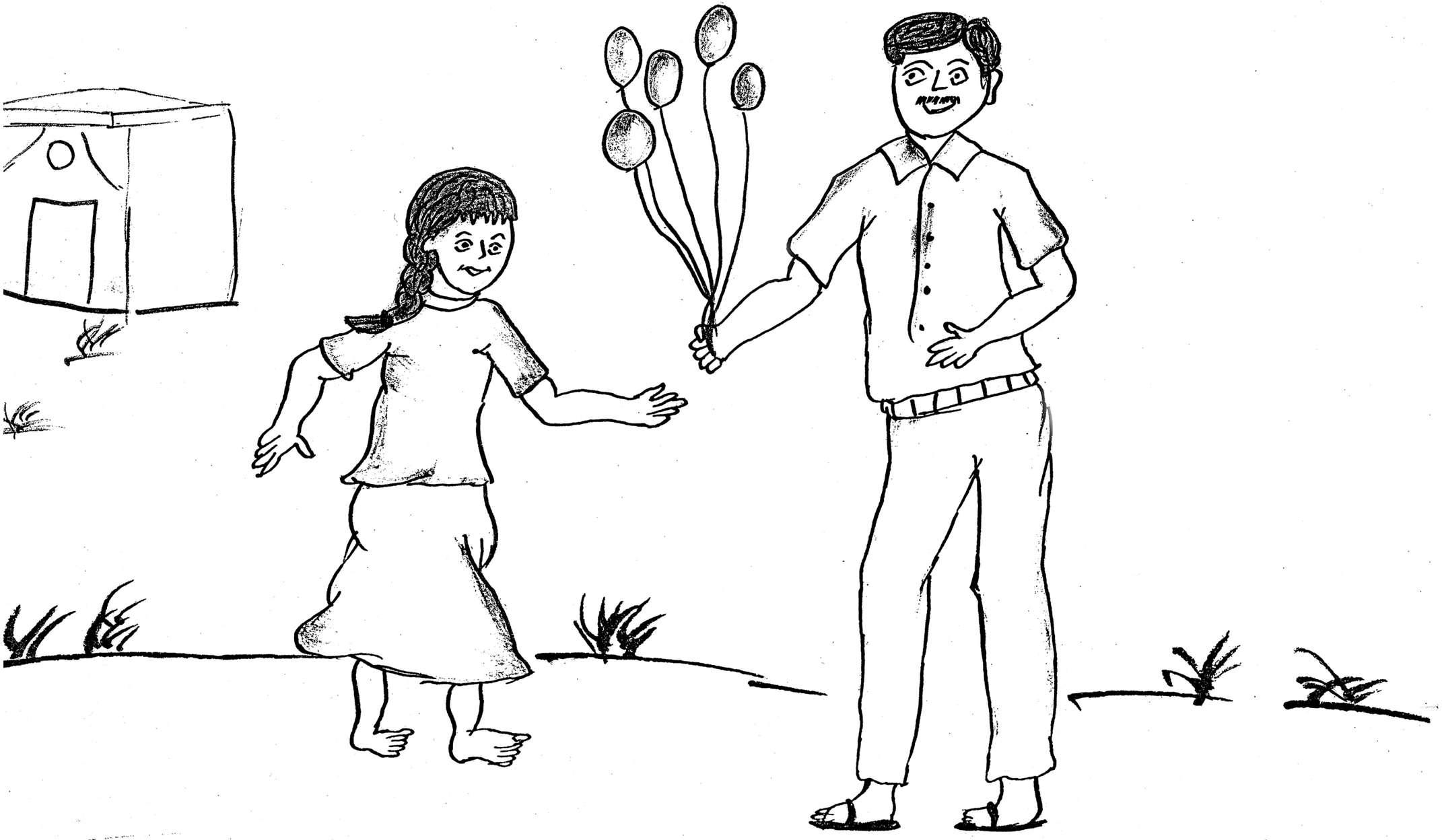

पिंकी ल फुग्गा ल दिस अउ किहिस, दूनो झन बांट लव।

पिंकी ह दू ठन फुग्गा चीकू ल दिस,
अउ तीन ठन ला अपन धरिस।

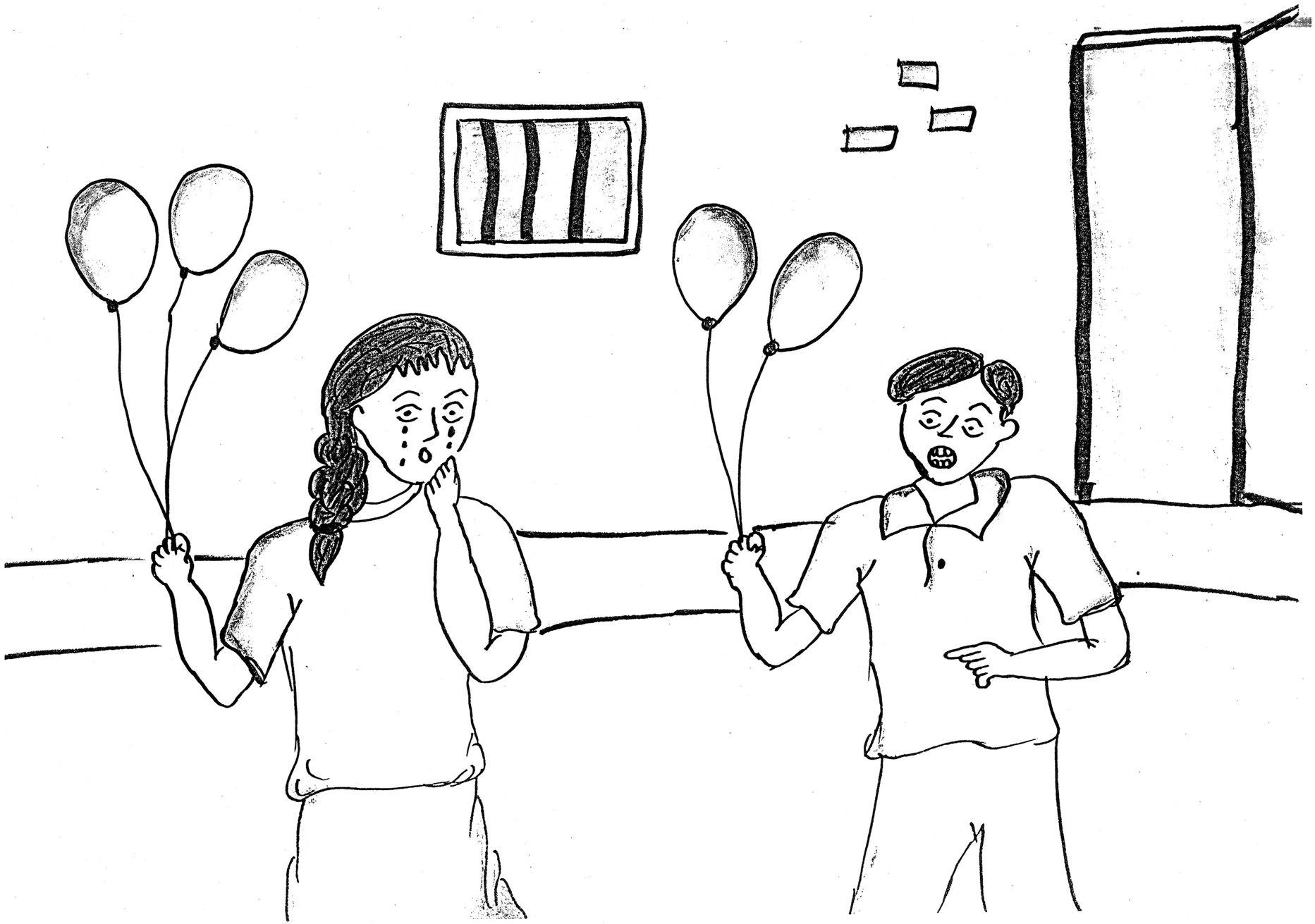

चीकू पिंकी संग लड़े लगिस, अउ पिंकी हा रो दिस।

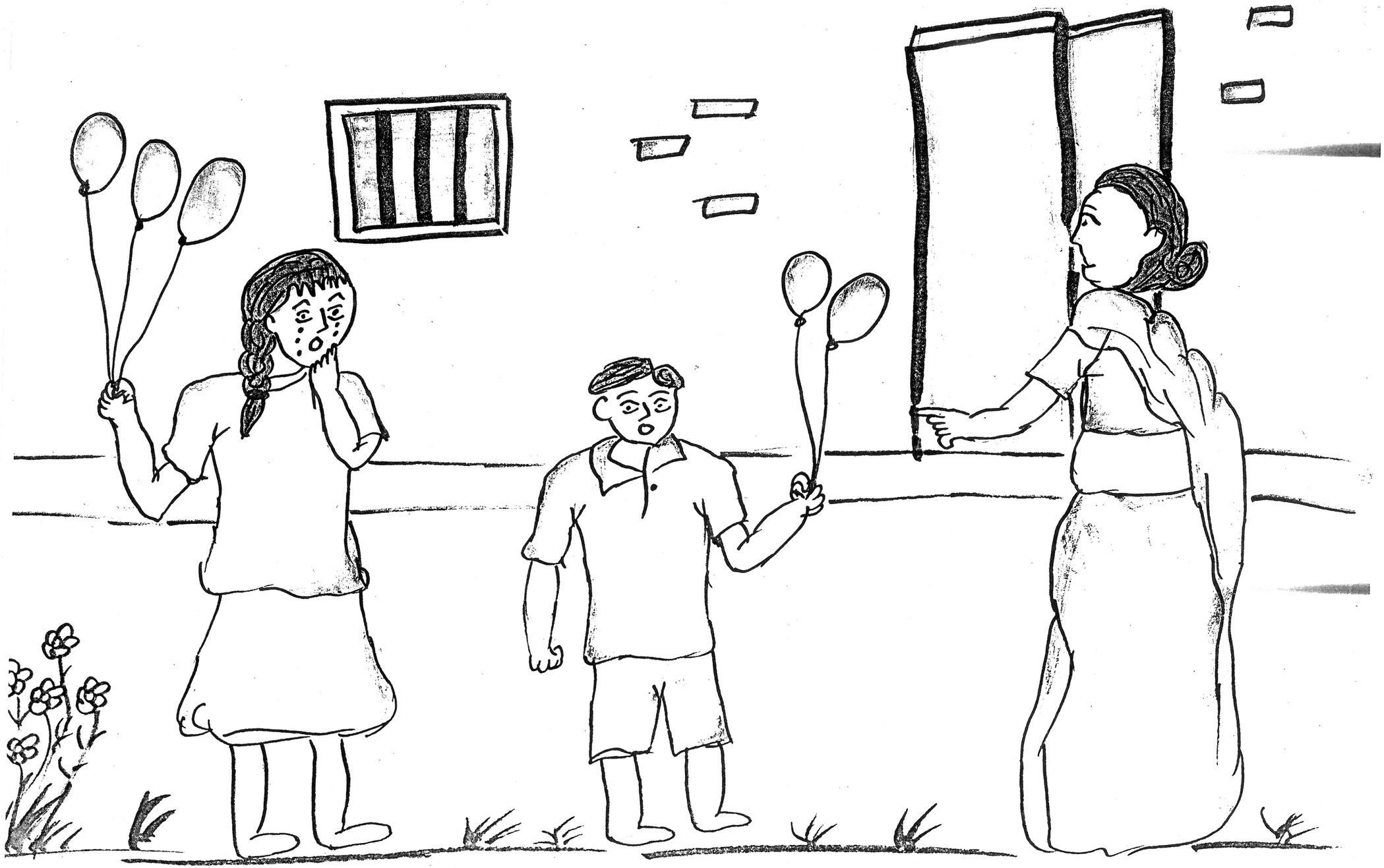

रोय के अवाज ल सुनके ओखर दाई आगे।

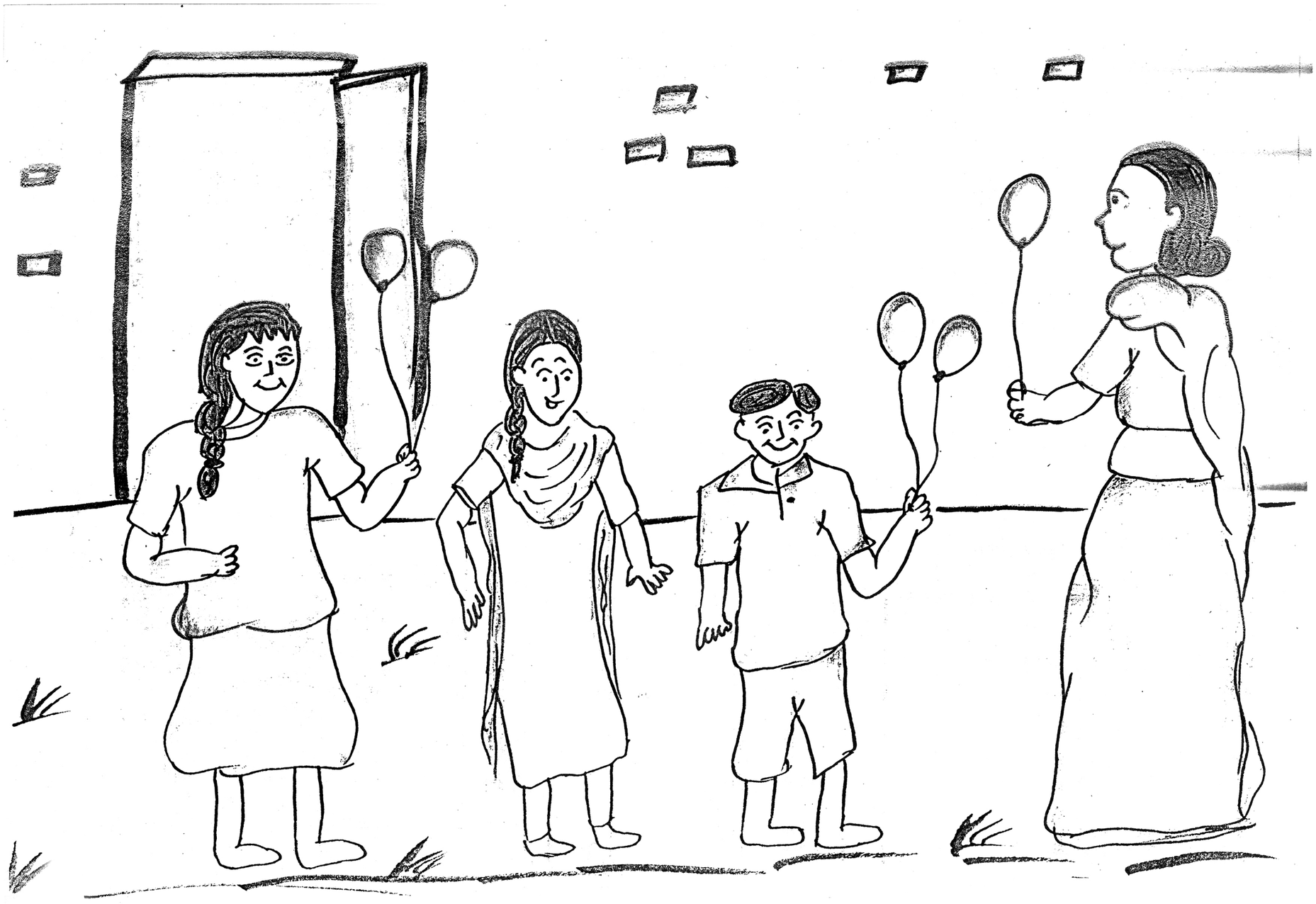

अउ पांचों ठन फुग्गा ल मंगा के, पिंकी ल दू ठन, अउ चीकू ल दू ठन दिस।

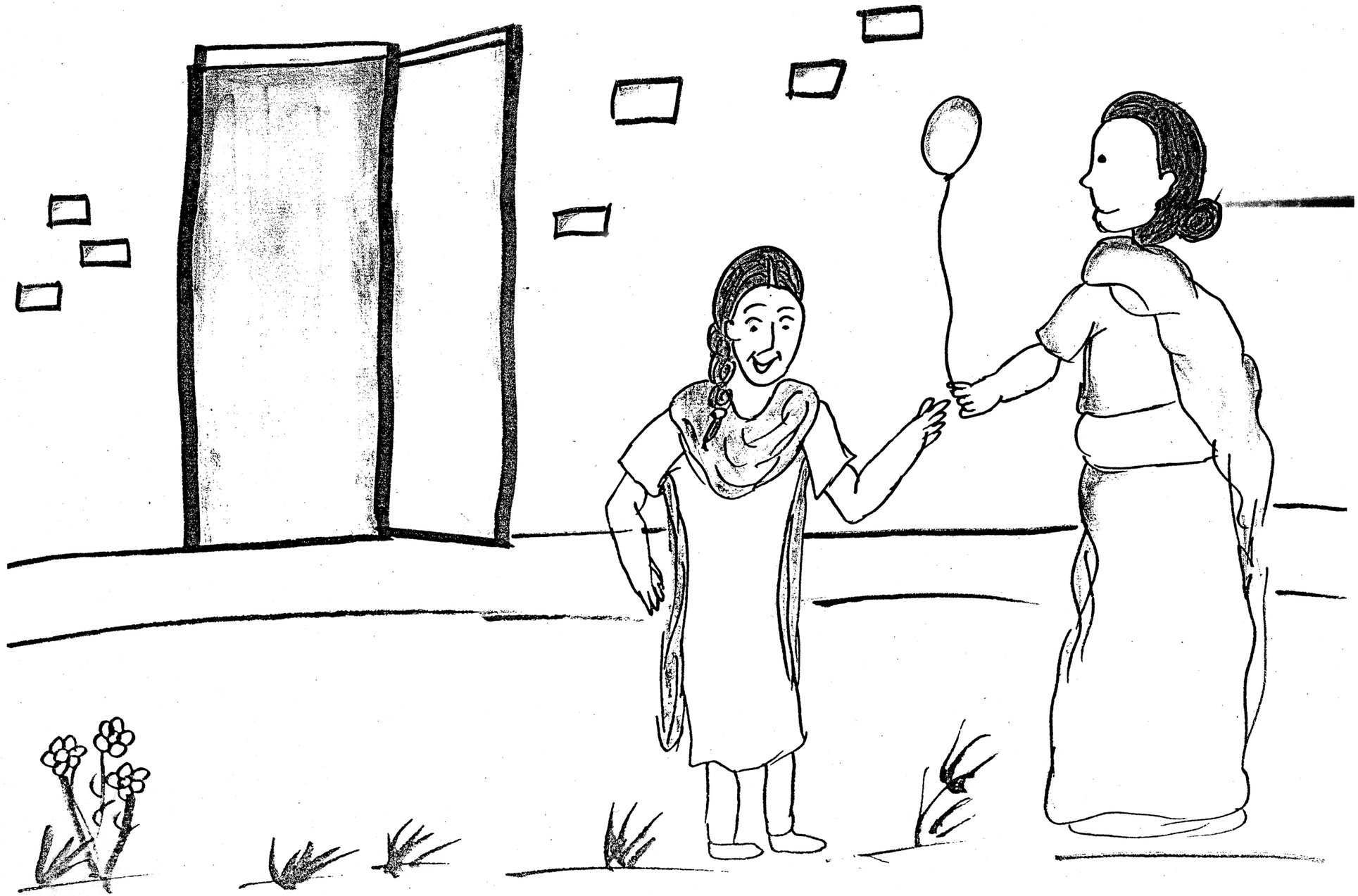

एक ठन फुग्गा ला पिंकी के संगवारी रानी ला दे दिस।

तीनों झन लइकामन खुश होके खेले लगिन।

फुग्गा

चीकू अउ पिंकी दूनों भाई बहिनी रिहिन। ओकर ददा हा मेला ले पांच ठन फुग्गा बिसा के लानिस। पिंकी ल फुग्गा ल दिस अउ किहिस, दूनो झन बांट लव। पिंकी ह दू ठन फुग्गा चीकू ल दिस, अउ तीन ठन ला अपन धरिस। चीकू पिंकी संग लड़े लगिस, अउ पिंकी हा रो दिस। रोय के अवाज ल सुनके उंकर दाई आगे। अउ पांचों ठन फुग्गा ल मंगा के, पिंकी ल दू ठन, अउ चीकू ल दू ठन दिस। एक ठन फुग्गा ला पिंकी के संगवारी रानी ला दे दिस। तीनों झन लइकामन खुश होके खेले लगिन।

गुब्बारे

चीकू और पिंकी भाई-बहन थे। पिताजी मेले से पाँच गुब्बारे लाये। पिंकी को गुब्बारे देते हुए कहा, आपस में बाँट लेना। पिंकी ने दो गुब्बारे चीकू को दिए, तीन अपने पास रखे। चीकू, पिंकी से झगड़ने लगा, पिंकी रोने लगी। रोने की आवाज़ सुनकर माँ आ गयी। माँ ने पाँचो गुब्बारे लेकर दो पिंकी को और दो चीकू को दिए। एक गुब्बारा पिंकी की सहेली रानी को दिया। तीनों बच्चे खुशी से खेलने लगे।

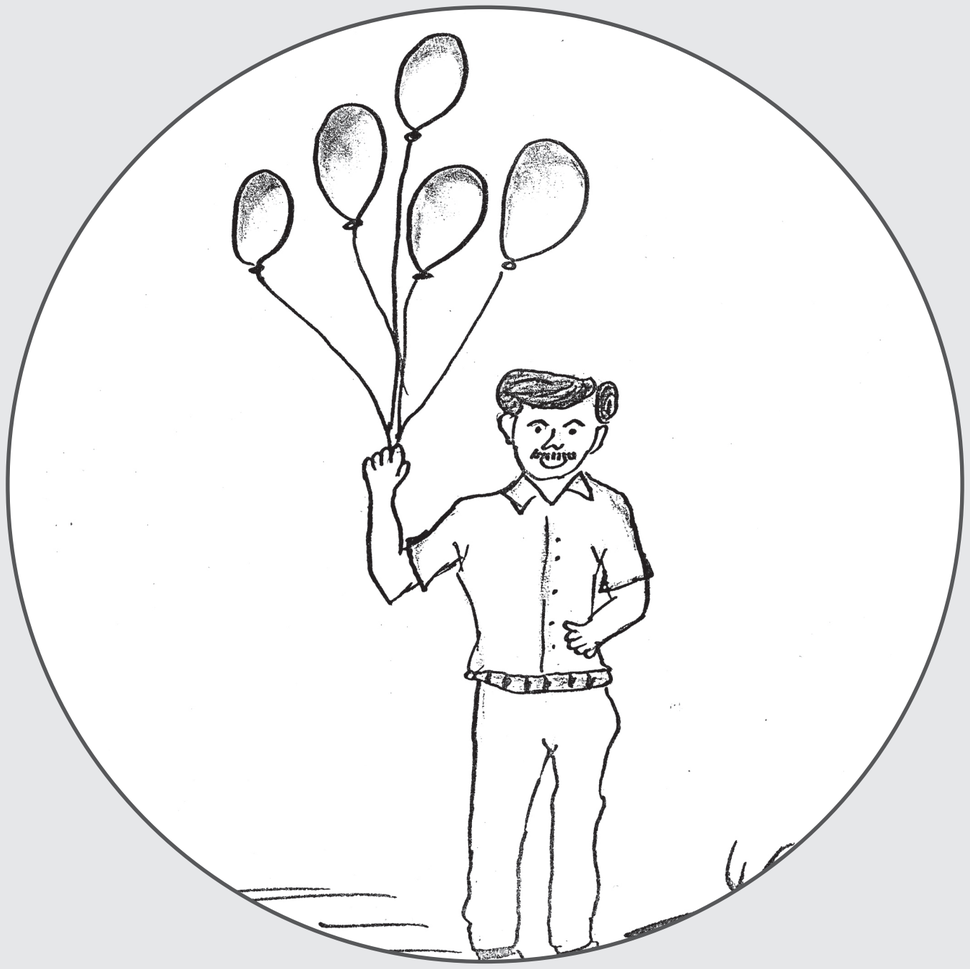

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें